



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासक द्वारा प्रकाशित

शिमला, शुक्रवार, 6 अगस्त, 2004/15 श्रावण, 1926

हिमाचल प्रदेश सरकार

विधि विभाग

अधिसूचना

शिमला-2, 6 अगस्त, 2004

संख्या एल०एल०आर०डी० (6)-8/2004-लेज.—हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, भारत के संविधान के अनुच्छेद 200 के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए दिनांक 2-8-2004 को यथा अनुमोदित हिमाचल

प्रदेश मोटरयान कराधान (संशोधन) विधेयक, 2004 (2004 का विधेयक संख्यांक 8) को वर्ष 2004 के अधिनियम संख्यांक 14 के रूप में संविधान के अनुच्छेद 348 (3) के अधीन उसके अंग्रेजी प्राधिकृत पाठ सहित हिमाचल प्रदेश राजपत्र (असाधारण) में प्रकाशित करते हैं ।

आदेश द्वारा,

हस्ताक्षरित/-
सचिव ।

हिमाचल प्रदेश मोटरयान कराधान (संशोधन) अधिनियम, 2004

(राज्यपाल महोदय द्वारा तारीख 2 अगस्त, 2004 को यथा अनुमोदित)

हिमाचल प्रदेश मोटरयान कराधान अधिनियम, 1972 (1973 का 4) का और संशोधन करने के लिए अधिनियम ।

भारत गणराज्य के पचपनवें वर्ष में हिमाचल प्रदेश विधान सभा द्वारा निम्नलिखित रूप में यह अधिनियमित हो :—

1. इस अधिनियम का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश मोटरयान कराधान (संशोधन) अधिनियम, 2004 है ।

संक्षिप्त नाम ।

2. हिमाचल प्रदेश मोटरयान कराधान अधिनियम, 1972 (जिसे इसमें इसके पश्चात् "मूल अधिनियम" निदिष्ट किया गया है) की धारा 2 में, खण्ड (अ-घ) के पश्चात् निम्नलिखित खण्ड अन्तःस्थापित किए जाएंगे, अर्थात् :—

धारा 2 का संशोधन ।

"(अ-ङ) नए यान के सम्बन्ध में "मोटरयान की कीमत" से, ऐसे नए मोटरयान के क्रय के लिए, समस्त करों और उपसाधनों, यदि कोई हों, की कीमत को अपवर्जित करके क्रेता द्वारा व्याहारी या विनिर्माता को संदत्त की गई रकम अभिप्रेत है ;

(अ-च) "साधारण सेवा मंजिली गाड़ी" से ऐसा मोटरयान अभिप्रेत है जिसे चालक के अतिरिक्त छह से अधिक यात्रियों का, भाड़े या पारिश्रमिक के लिए व्यष्टिक यात्रियों द्वारा या के लिए पृथक किराया संदत्त किए जाने पर, या तो पूरी यात्रा के लिए या यात्रा के पड़ाव के लिए, वहन करने को निमित्त या अनुकूल बनाया गया है, जिसमें प्रत्येक यात्री के लिए बैठने का स्थान 375 वर्ग मिलिमीटर से कम न हो और टांगों के लिए न्यूनतम तय स्थान 254 मिलिमीटर से कम न हो ;

(अ-छ) "सेमी डीलक्स सेवा मंजिली गाड़ी" से ऐसा मोटरयान अभिप्रेत है जिसे चालक के अतिरिक्त छह से अधिक यात्रियों का, भाड़े या पारिश्रमिक के लिए व्यष्टिक यात्रियों द्वारा या के लिए पृथक किराया संदत्त किए जाने पर, या तो पूरी यात्रा के लिए या यात्रा के पड़ाव के लिए, वहन करने को निमित्त या अनुकूल बनाया गया है, जिसमें प्रत्येक यात्री के लिए बैठने का स्थान 400 वर्ग मिलिमीटर से कम न हो और टांगों के लिए न्यूनतम स्थान 330 मिलिमीटर से कम न हो ;

(अ-ज) "डीलक्स सेवा मंजिली गाड़ी" से ऐसा मोटरयान अभिप्रेत है जिसे चालक के अतिरिक्त छह से अधिक यात्रियों का, भाड़े या पारिश्रमिक के लिए व्यष्टिक यात्रियों द्वारा या के लिए पृथक किराया संदत्त किए जाने पर, या तो पूरी यात्रा के लिए या यात्रा के पड़ाव के लिए, वहन करने के लिए निमित्त या अनुकूल बनाया गया है, जिसमें प्रत्येक यात्री के लिए बैठने का स्थान 450 वर्ग मिलिमीटर से कम न हो और टांगों के लिए न्यूनतम स्थान 330 मिलिमीटर से कम न हो ;

(अ-झ) "वातानुकूलित सेवा मंजिली गाड़ी" से ऐसा मोटरयान अभिप्रेत है जिसे

चालक के अतिरिक्त छह से अधिक यात्रियों का, भाड़े या पारिश्रमिक के लिए व्यष्टिक यात्रियों द्वारा या के लिए पृथक किराया संदत्त किए जाने पर, या तो पूरी यात्रा के लिए या यात्रा के पड़ाव के लिए, वहन करने के लिए निमित्त या अनुकूल बनाया गया है, जिसमें ऐसी मंजिली गाड़ी के भीतर तापमान विनियमित करने के लिए वातानुकूल उपस्कर लगाया गया हो ;

(ज-ज) "रात्री सेवा मंजिली गाड़ी" से ऐसा मोटरयान अभिप्रेत है जिसे चालक के अतिरिक्त छह यात्रियों से अधिक यात्रियों का, भाड़े या पारिश्रमिक के लिए व्यष्टिक यात्रियों द्वारा या के लिए पृथक किराया संदत्त किए जाने पर, या तो पूरी यात्रा के लिए या यात्रा के पड़ाव के लिए, वहन करने के लिए निमित्त या अनुकूल बनाया गया है, जो क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण द्वारा आबंटित/विहित किए गए समयानुसार आरम्भिक स्थान से 5 बजे सायं (अपराह्न) के पश्चात् चले और समाप्ति स्थान पर अगले दिन 5 बजे सुबह (पूर्वाह्न) या इससे पूर्व पहुंचें ;

(ज-ट) "सन्निर्माण उपस्कर यान" (कंस्ट्रक्शन इक्युपमेंट व्हीकल) से रबड़ टायरड (वायवीय टायर सहित), रबड़ पैड या स्टील ड्रम व्हील मोउंटड, स्वचालित (सैल्फ प्रोपेल्ड) उत्खनक (एक्सकेवेटर) लोडर, मोबाईल क्रेन, डोजर, फोर्क लिफ्ट ट्रक, सैल्फ लोडिंग कंकरीट मिक्सर या कोई अन्य यान निर्माण उपस्कर या उसका संयोजन अभिप्रेत है, जिसे खनन में ऑफ हाईवे आप्रेशनज, प्रौद्योगिक उपक्रम, सिंचाई एवं साधारण निर्माण के लिए परिकल्पित किया गया हो परन्तु जिसे "ऑन या ऑफ" या "ऑन और ऑफ" हाईवे कैपेविलिटिज के साथ रूपान्तरित और निमित्त किया हो ; और"।

धारा 3 का
प्रतिस्था-
पन।

3. मूल अधिनियम की धारा 3 के लिए निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

"3. (1) इस अधिनियम के अन्य उपबन्धों के अधीन रहते हुए हिमाचल प्रदेश मोटरयान कराधान (संशोधन) अधिनियम, 2004 के प्रारम्भ पर और से हिमाचल प्रदेश में उपयोग में लाए गए या उपयोग के लिए रखे, अनुसूची-1 के स्तम्भ (2) में विनिर्दिष्ट समस्त मोटरयानों पर, उस दर पर, जो राज्य सरकार द्वारा अधिसूचना द्वारा विनिर्दिष्ट की जाए, परन्तु इस अधिनियम की अनुसूची-1 के स्तम्भ (3) में विनिर्दिष्ट दरों से अनधिक कर, उद्गृहीत, प्रभारित और राज्य सरकार को संदत्त किया जाएगा।

(2) हिमाचल प्रदेश मोटरयान कराधान (संशोधन) अधिनियम, 2004 के प्रारम्भ पर और से, हिमाचल प्रदेश में उपयोग में लाए गए या उपयोग के लिए रखे मोटर साईकिलों/स्कूटरों या निजी मोटरयानों पर, मोटरयान अधिनियम, 1988 की धारा 41 की उप-धारा (3) के अधीन जारी रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र की तारीख से 15 वर्ष की अवधि के लिए, उन दरों पर, जो राज्य सरकार द्वारा अधिसूचना द्वारा विनिर्दिष्ट की जाएं, ऐसे मोटर-साईकिल/स्कूटर या निजी मोटरयानों की कीमत के आधार पर, उसकी कीमत के अधिकतम 10 प्रतिशत के अध्वधीन, कर उद्गृहीत, प्रभारित और राज्य सरकार को संदत्त किया जाएगा।

(3) उप-धारा (1) में किसी बात के होते हुए भी, हिमाचल प्रदेश मोटरयान कराधान (संशोधन) अधिनियम, 2004 के प्रारम्भ पर और से, हिमाचल प्रदेश में उपयोग में लाए गए या उपयोग के लिए रखे मोटर कैबज या मैक्सी कैबज, जिन्हें निजी मोटरयान के रूप में परिवर्तित करने के लिए अनुज्ञात किया गया है और पुराने (सेकण्ड हैंड)

1988 क
59.

निजी मोटरयानों, जिन्हें हिमाचल प्रदेश राज्य में पहली बार रजिस्ट्रीकृत किया जाना है, पर, उन दरों पर, जैसी राज्य सरकार द्वारा अधिसूचना द्वारा विनिर्दिष्ट की जाए, कराधान प्राधिकारी द्वारा, मोटरयान की मूल कीमत से प्रतिवर्ष 8 प्रतिशत अवधायण कटौती के पश्चात्, ऐसे मोटरयान की निर्धारित की जाने वाली कीमत के अधिकतम 10 प्रतिशत के अध्वधीन, कर उद्गृहीत, प्रभारित और राज्य सरकार को संदत्त किया जाएगा:

परन्तु यह कि,—

- (क) ऐसे मोटरयानों के मामले में, जिनकी मूल (प्रारम्भिक) कीमत दो लाख पचास हजार रुपए तक है, निम्नतम मूल्य (फ्लोअर प्राइस) पचास हजार रुपए से कम नहीं होगी, या
- (ख) ऐसे मोटरयानों के मामले में, जिनकी मूल (प्रारम्भिक) कीमत दो लाख पचास हजार रुपए से अधिक है परन्तु पांच लाख पचास हजार रुपए से अधिक नहीं है, निम्नतम कीमत (फ्लोअर प्राइस) एक लाख रुपए से कम नहीं होगी, या
- (ग) ऐसे मोटरयानों के मामले में, जिनकी मूल (प्रारम्भिक) कीमत पांच लाख पचास हजार रुपए से अधिक है परन्तु दस लाख रुपए से अधिक नहीं है, निम्नतम कीमत (फ्लोअर प्राइस) दो लाख रुपए से कम नहीं होगी, या
- (घ) ऐसे मोटरयानों के मामले में, जिनकी मूल (प्रारम्भिक) कीमत दस लाख रुपए से अधिक है, निम्नतम कीमत (फ्लोअर प्राइस) चार लाख रुपए से कम नहीं होगी, या
- (ङ) दो पहिया वाहनों के मामले में निम्नतम कीमत (फ्लोअर प्राइस) पांच हजार रुपए से कम नहीं होगी।

(4) उप-धारा (2) और (3) में किसी बात के होते हुए भी, हिमाचल प्रदेश मोटरयान कराधान (संशोधन) अधिनियम, 2004 के प्रारम्भ को और से, हिमाचल प्रदेश में उपयोग में लाए गए या उपयोग के लिए रखे मोटर साईकिलों/स्कूटरों या निजी मोटरयानों पर मोटरयान अधिनियम, 1988 की धारा 41 की उप-धारा (10) के अधीन उनके रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र के नवीनीकरण की तारीख से, पांच वर्ष की प्रत्येक आगामी अवधि के लिए, ऐसी दरों पर, जैसी अधिसूचना द्वारा राज्य सरकार द्वारा विनिर्दिष्ट की जाए, कर उद्गृहीत, प्रभारित और राज्य सरकार को संदत्त किया जाएगा, परन्तु यह ऐसे मोटर साईकिलों/स्कूटरों या निजी मोटरयानों के, प्रथम रजिस्ट्रीकरण के समय पर संदत्त किए गए कर के पचास प्रतिशत से अधिक नहीं होगा।

4. मूल अधिनियम की धारा 4-क की उप-धारा (2) के परन्तुक में शब्द, चिन्ह और अंक "इस अधिनियम की धारा 3-क में निर्दिष्ट अनुसूची-III" के स्थान पर "अनुसूची-1" शब्द और चिन्ह प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

धारा 4-क का संशोधन।

5. मूल अधिनियम की धारा 7-क में उप-धारा (5) के पश्चात् निम्नलिखित जोड़ा जाएगा, अर्थात्:—

धारा 7-क का संशोधन।

“(6) जहां कोई स्वामी लगातार दो मास या अधिक की अवधि के लिए इस अधिनियम के अधीन कर या शास्ति के संदाय में व्यतिक्रम करता है और देय कर और शास्ति को किस्तों में जमा करने के लिए अनुमत करने हेतु अनुरोध करता है तो कराधान प्राधिकारी, उससे देय कर और शास्ति की रकम के बराबर, प्रतिभूति बन्धपत्र प्राप्त करने के

पश्चात्, ऐसे स्वामी को उस पर परादेय कर और शास्ति को छमाही किस्तों में, इस शर्त के अधधीन जमा करने की अनुमति दे सकेगा कि ऐसा स्वामी देय कर और शास्ति की रकम का 25 प्रतिशत तुरन्त प्रथम किस्त के रूप में जमा करेगा।”।

धारा 10
का
संशोधन।

6. मूल अधिनियम की धारा 10 में,—

(क) उप-धारा (3) का लोप किया जाएगा; और

(ख) उप-धारा (5) के पश्चात्, निम्नलिखित उप-धारा जोड़ी जाएगी, अर्थात् :—

“(6) जहां कोई व्यक्ति कराधान प्राधिकारी के समाधानप्रद रूप में यह साबित कर देता है कि इस अधिनियम के अधीन मोटरयान पर कर गलत तौर पर उद्गृहीत, प्रभारित और संदत्त किया गया है, तो कराधान प्राधिकारी आयुक्त का अनुमोदन अभिप्राप्त करने के पश्चात्, उस द्वारा इस प्रकार संदत्त किए गए कर का प्रतिदाय करेगा।”।

धारा 14
का
संशोधन।

7. मूल अधिनियम की धारा 14 में,—

(क) उप-धारा (2) के स्थान पर, निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

“(2) जब अनुसूची-I या अनुसूची-III में विनिर्दिष्ट किसी मोटरयान का कब्जा या नियन्त्रण रखने वाले रजिस्ट्रीकृत स्वामी या व्यक्ति कराधान प्राधिकारी को लिखित में पूर्व सूचना दे देता है कि मोटरयान का एक मास से अन्यून परन्तु तीन मास से अनधिक किसी विशिष्ट अवधि के लिए किसी सार्वजनिक स्थान में उपयोग नहीं किया जाएगा और ऐसे मोटरयान का रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र, रूट परमिट सहित सम्बन्धित कराधान प्राधिकारी के पास जमा करवा देता है तथा उसकी अभिस्वीकृति प्राप्त कर लेता है तो, उसे उस अवधि के लिए कर के संदाय से छूट दी जाएगी और कराधान प्राधिकारी, पुलिस अधीक्षक, सम्बन्धित क्षेत्रीय प्रबन्धक हिमाचल पथ परिवहन निगम और निदेशक परिवहन को लिखित में भी यह सूचित करेगा कि वे यह सुनिश्चित करें कि ऐसा यान विनिर्दिष्ट अवधि के दौरान किसी सार्वजनिक स्थान में उपयोग में नहीं लाया गया।”; और

(ख) उप-धारा (6) का लोप किया जाएगा।

धारा 16
का
संशोधन।

8. मूल अधिनियम की धारा 16 में, उप-धारा (2) में, “यान की सुरक्षित अभिरक्षा के लिए ऐसे कदम उठाए जाएं या उठवाए जाएं जैसे वह आवश्यक समझें” शब्दों के स्थान पर “ऐसे यान को नजदीक के पुलिस थाने के प्रभारी अधिकारी की सुरक्षित अभिरक्षा में या किसी अन्य स्थान में, जिसे वह ऐसे यान की सुरक्षित अभिरक्षा के लिए आवश्यक समझें, यान के स्वामी की लागत पर ऐसी दरों पर, जैसी विहित की जाए, रखेगा” शब्द और चिन्ह रखे जाएंगे।

AUTHORITATIVE ENGLISH TEXT

Act No. 14 of 2004.

**THE HIMACHAL PRADESH MOTOR VEHICLES TAXATION
(AMENDMENT) ACT, 2004**

(AS ASSENTED TO BY THE GOVERNOR ON 2ND AUGUST, 2004)

AN
ACT

further to amend the Himachal Pradesh Motor Vehicles Taxation Act, 1972 (Act No. 4 of 1973).

BE it enacted by the Legislative Assembly of Himachal Pradesh in the Fifty-fifth Year of the Republic of India, as follows:—

1. This Act may be called the Himachal Pradesh Motor Vehicles Taxation (Amendment) Act, 2004. Short title

2. In section 2 of the Himachal Pradesh Motor Vehicles Taxation Act, 1972 (hereinafter referred to as the "principal Act"), in section 2, after clause (J-d), the following clauses shall be inserted, namely:— Amendment of section 2.

"(j-e) "price of motor vehicle" in relation to a new vehicle means the amount paid by the purchaser to the dealer or manufacturer for the purchase of such new vehicle excluding all taxes and the price of accessories, if any ;

(j-f) "Ordinary service stage carriage" means a motor vehicle constructed or adapted to carry more than six passengers excluding the driver for hire or reward at separate fares paid by or for individual passengers, either for the whole journey or for stages of the journey having seating space of not less than 375 square millimetres for each passenger and minimum leg space of not less than 254 millimetres ;

(j-g) "Semi deluxe service stage carriage" means a motor vehicle constructed or adapted to carry more than six passengers excluding the driver for hire or reward at separate fares paid by or for individual passengers, either for the whole journey or for stages of the journey having seating space of not less than 400 square millimetres for each passenger and minimum leg space of not less than 330 millimetres ;

(j-h) "Deluxe service stage carriage" means a motor vehicle constructed or adapted to carry more than six passengers excluding the driver for hire or reward at separate fares paid by or for individual passengers, either for the whole journey or for stages of the journey having seating space of not less than 450 square millimetres for each passenger and minimum leg space of not less than 330 millimetres.

- (j-i) "Air conditioned service stage carriage" means a motor vehicle constructed or adapted to carry more than six passengers excluding the driver for hire or reward at separate fares paid by or for individual passengers, either for the whole journey or for stages of the journey having an air conditioning equipment fitted for regulating the temperature inside such stage carriage;
- (j-j) "Night service stage carriage" means a motor vehicle constructed or adapted to carry more than six passengers excluding the driver for hire or reward at separate fares paid by or for individual passengers, either for the whole journey or for stages of the journey which according to the time table allotted/prescribed by the Regional Transport Authority ply from the originating destination after 5 P.M. and reach terminating destination on or before 5 A.M. the next day ;
- (j-k) "Construction equipment vehicle" means rubber tyred (including pneumatic tyred), rubber padded or steel drum wheel mounted, self propelled, excavator, loader, mobile crane, dozer, fork lift truck, self-loading concrete mixer or any other construction equipment vehicle or combination thereof designed for off-highway operations in mining, industrial undertaking, irrigation and general construction but modified and manufactured with "on or off" or "on and off" highway capabilities ; and "

Substitution
of section 3.

3. For section 3 of the principal Act, the following shall be substituted, namely:—

- "3. (1) Subject to the other provisions of this Act, on and from the commencement of the Himachal Pradesh Motor Vehicles Taxation (Amendment) Act, 2004, there shall be levied, charged and paid to the State Government, a tax on all motor vehicles specified in column (2) of Schedule-I, used or kept for use in Himachal Pradesh, at the rate as may be specified by the State Government, by notification, but not exceeding the rates specified in column (3) of Schedule-I.

(2) On and from the commencement of the Himachal Pradesh Motor Vehicles Taxation (Amendment) Act, 2004, there shall be levied, charged and paid to the State Government, a tax on motor cycles/scooters or personal vehicles, used or kept for use in Himachal Pradesh, for a period of fifteen years from the date of issue of certificate of registration under sub-section (3) of section 41 of the Motor Vehicles Act, 1988, at the rates as may be specified by the State Government, by notification, on the basis of the price of such motor cycle/scooter or personal motor vehicle, subject to the maximum of ten per cent of the price thereof.

(3) Notwithstanding anything contained in sub-section (1), on and from the commencement of the Himachal Pradesh Motor

Vehicles Taxation (Amendment) Act, 2004, there shall be levied, charged and paid to the State Government, a tax on motor cabs or maxi cabs which are allowed to be converted as personal motor vehicles, and on second hand personal motor vehicles which are to be registered in the State of Himachal Pradesh for the first time, used or kept for use in Himachal Pradesh, at the rates as may be specified by the State Government, by notification, subject to the maximum of ten per cent of the price of such motor vehicles to be determined by the taxation authority after deducting eight per cent depreciation per annum from the original price of the motor vehicle provided that,—

- (a) in the case of motor vehicles having original price upto two lacs fifty thousand rupees, the floor price shall not be less than fifty thousand rupees, or
- (b) in the case of motor vehicles having original price more than two lacs fifty thousand rupees but not exceeding five lacs fifty thousand rupees, the floor price shall not be less than one lac rupees, or
- (c) in the case of motor vehicles having original price more than five lacs fifty thousand rupees but not exceeding ten lacs rupees, the floor price shall not be less than two lacs rupees, or
- (d) in the case of motor vehicles having original price more than ten lacs rupees, the floor price shall not be less than four lacs rupees, or
- (e) in the case of two wheelers, the floor price shall not be less than five thousand rupees.

- (4) Notwithstanding anything contained in sub-sections (2) and (3), on and from the commencement of the Himachal Pradesh Motor Vehicles Taxation (Amendment) Act, 2004, there shall be levied, charged and paid to the State Government, a tax on motor cycles/scooters or personal motor vehicles, used or kept for use in Himachal Pradesh, for every further period of five years from the date of their renewal of certificate of registration under sub-section (10) of section 41 of the Motor Vehicles Act, 1988, at the rates as may be specified by the State Government, by notification, but not exceeding fifty per cent of the tax paid at the time of first registration of such motor cycles/scooters or personal motor vehicles."

4. In section 4-A of the principal Act, in sub-section (2), in the proviso, for the words, signs and figure "in Schedule-III, referred to in section 3-A of this Act", the words and sign "Schedule-I" shall be substituted.

Amendment
of section
4-A.

5. In section 7-A of the principal Act, after sub-section (5), the following shall be added, namely:—

Amendment
of section
7-A.

"(6) Where an owner makes default in the payment of tax or penalty under this Act, for a continuous period of two months or more

and makes a request to allow him to deposit the tax and penalty due, in instalments, the taxation authority may after obtaining surety bond equal to the amount of tax or penalty due from him, allow such owner to deposit the outstanding tax and penalty thereon, in six monthly instalments, subject to the condition that such owner deposits twenty five per cent of the amount of tax and penalty due, immediately as the first instalment."

Amendment
of section 10.

6. In section 10 of the principal Act,—

- (a) sub-section (3) shall be deleted ; and
- (b) after sub-section (5), the following sub-section shall be added, namely:—

"(6) Where any person proves to the satisfaction of the taxation authority that the tax has been wrongly levied, charged and paid on a motor vehicle under this Act, the taxation authority shall refund the tax, so paid by him, after obtaining approval of the Commissioner."

Amendment
of section 14.

7. In section 14 of the principal Act,—

- (a) for sub-section (2), the following shall be substituted, namely:—

"(2) When the registered owner or the person having possession or control of a motor vehicle specified in Schedule-I or Schedule-III has given previous intimation in writing to the taxation authority that the motor vehicle would not be used in any public place, for a particular period, being not less than one month but not more than three months and deposits the certificate of registration of such motor vehicle along-with route permit with the taxation authority concerned and obtained an acknowledgement thereof, he shall be exempted from the payment of tax for that period, and the taxation authority shall also inform in writing the Superintendent of Police, Regional Manager, Himachal Road Transport Corporation concerned and the Director of Transport, to ensure that such vehicle is not used in any public place during the specified period." ; and

- (b) sub-section (6) shall be deleted.

Amendment
of section 16.

8. In section 16 of the principal Act, in sub-section (2), for the words "take or cause to be taken such steps as he may consider necessary for the safe custody of the vehicle", the words and sign "keep such vehicle in safe custody of the Officer-in-Charge of nearest police station or in any other place, as he may consider necessary for the safe custody of such vehicle, at the cost of owner of the vehicle, at the rates as may be prescribed" shall be substituted.